Class - B.A - III (Honours)
Paper - V
Lecture - 2

Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept. of Political Science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani,

लोक प्रशासन (परिभाषा) (lnmu)

लोक प्रशासन के अर्थ के संबंध में कुछ विद्वानों ने व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है तो कुछ विद्वानों ने संकुचित दृष्टिकोण अपनाया है। व्यापक रूप में लोकप्रशासन राज्य की गतिविधियों का अध्ययन है, किन्तु ये गतिविधियां विधायी, कार्यकारी या न्याय सम्बन्धी कार्यों के साथ जोड़ी जा सकती है अतः इसमें विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका द्वारा किये गये सभी कार्यों का समावेश हो जाता है। संकुचित अर्थ में इसका प्रयोग केवल कार्यपालिका द्वारा किये जाने वाले कार्यों के लिए ही होता है।

निम्नलिखित परिभाषाएं लोक प्रशासन को अपने व्यापक तथा संकुचित परिप्रेक्ष्य में देखती है—

विलोबी के अनुसार "अपने व्यापकतम अर्थ में यह सरकारी क्रियाकलापों के वास्तविक रूप में पूरा किये जाने से सम्बद्ध है अतः यह कहना उचित होगा कि न्याय या न्यायिक मामलों का प्रशासन या सरकार के प्रशासनिक कार्यों को पूरा करना या सरकार के सामान्य कार्यों को पूरा करना, सभी का सम्बन्ध लोक प्रशासन के साथ है.... अपने संकीर्ण अर्थ में इसका सम्बन्ध मात्र प्रशासनिक शाखा के कार्यों से होता है।"

अपनी प्रसिद्ध रचना 'Modern Public Administration' में निग्रो ने लिखा है कि लोक प्रशासन का सम्बन्ध सरकार की तीनों शाखाओं - विधायी,

Scanned with CamScanner

न्याय सम्बन्धी और कार्यकारी तथा इनकी परस्पर सम्बद्धता के साथ है।

गुलिक के शब्दों में, "लोक प्रशासन प्रशासन के विज्ञान का वह भाग है जो सरकार से सम्बन्धित है और इसलिए उसका सम्बन्ध कार्यपालिका से है, यद्यपि कि सरकार का काम मुख्य रूप से होता है, यद्यपि उसको स्पष्ट रूप से उन प्रशासनिक समस्याओं पर भी ध्यान देना होता है जो व्यवस्थापिका और न्यायपालिका के क्षेत्र में आती है।"

साइमन का मत है कि "जनसाधारण की भाषा में लोकप्रशासन से अभिप्राय उन क्रियाओं से है जो केन्द्र, राज्य तथा स्थानीय सरकारों की कार्यपालिका शाखाओं द्वारा सम्पादित की जाती है।"

एल. डी. व्हाइट ने लोक प्रशासन को लोक नीतियों के क्रियान्वयन के रूप में परिभाषित किया है वहीं वुडरो विल्सन ने लोक प्रशासन को विधि के क्रियान्वयन के दृष्टिकोण से परिभाषित किया है।

निग्रो ने इस सम्बन्ध में व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है इसके अनुसार लोक प्रशासन —

(i) सार्वजनिक व्यवस्था में एक सहयोगिक सामूहिक प्रयास है
(ii) कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका एवं उनके अन्तर्सम्बन्धों से सम्बन्धित है
(iii) सार्वजनिक नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस तरह

राजनीतिक प्रक्रिया का एक भाग है

(iv) विभिन्न और महत्वपूर्ण कारकों के आधार पर निजि प्रशासन से भिन्न होता है और

(v) समुदाय को सेवाएं प्रदान करने के कार्य मे निजि संगठनो एवं व्यक्तियों के साथ सम्बन्धित रहता है।

संक्षेप मे हम कह सकते हैं कि लोक प्रशासन का संबंध निम्नलिखित कार्यों से है—

1. लोक नीति की रचना और उसका क्रियान्वयन,
2. सरकार की कार्यपालिका शाखा,
3. संगठनात्मक ढांचा और प्रशासन तन्त्र
4. प्रशासन प्रक्रियाएं
5. अधिकारी तन्त्र और उनके क्रियाकलाप
6. समाज की सेवा करने के उपक्रम मे अनेक निजी समूहों और व्यक्तियों से घनिष्ठ रूप मे जुड़ना।

Khushbu Kumari